राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 247 | जौनपुर | रविवार, 27 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

नागरिक सुरक्षा के नवनियुक्त वार्डेनों का प्रशिक्षण संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नागरिक सुरक्षा कोर लखनऊ के प्रखंड राजाजीपुरम, लोहियानगर, हजरतगंज, आलमबाग, गोमतीनगर, के नवनियुक्त वार्डेनो को नागरिक सुरक्षा के बेसिक कोर्स की ट्रेनिंग प्रदान की गई। वार्डेनो को प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा के कर कमलों से प्रमाण पत्र वितरित किए गए। लखनऊ सिविल डिफेंस में गत दिनों कई वार्डेनो की नई भर्ती हुई थी। भर्ती के उपरांत वार्डेनों को बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होता है। जिसके उपरांत वो क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करना प्रारंभ करते है। इसी के मद्देनजर उपनियंत्रक अनिता प्रताप के आदेशानुसार नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केंद्र पर सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा, ऋषि कुमार के द्वारा प्रखंड राजाजीपुरम, गोमतीनगर, आलमबाग, हजरतगंज, में नवनियुक्त वार्डेनों का आधारभूत

संक्षिप्त समाचार

अटारी–वाघा सीमा पर बीएसएफ का अलर्ट

अटारी, एजेंसी। अटारी– वाघा सीमा के पास रोड़ावाला गांव के गुरुद्वारा साहिब में एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। यह घोषणा पहलगाम में हुई एक घटना के बाद की गई। गांव के सरपंच तरसेम सिंह ने गुरुद्वारा साहिब में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) अधिकारियों के निर्देश पर यह घोषणा की। घोषणा के अनुसार, जिन किसानों की जमीन भारत–पाकिस्तान सीमा के तारों के उस पार है, उन्हें दो दिन के भीतर अपनी फसल काट लेनी होगी। इसके बाद सीमा को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा और किसी भी किसान को फसल काटने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गुरुद्वारा साहिब के बाबा ने इस दौरान उपस्थित लोगों को इस आदेश की गंभीरता को समझाते हुए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की। रोड़ावाला गांव के सरपंच तरसेम सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा, ष्हमें बीएसएफ अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश मिले हैं कि जिन किसानों की जमीन सीमा पार है, वे दो दिन के भीतर अपनी फसल काट लें।

पहलगाम हमला निंदनीय, ठोस कदम उठाने की जरूरत – अजय राय

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने इस घटना को बेहद दुखद और निंदनीय करार देते हुए सरकार की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया तंत्र को पूरी तरह विफल बताया। अजय राय ने कहा, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह सरकार की विफलता का जीता–जागता सबूत है। न तो वहां सेना थी, न पैरामिलिट्री फोर्स और न ही खुफिया तंत्र ने कोई भूमिका निभाई। सरकार केवल बड़ी–बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था शून्य है। इस हमले ने सरकार की नाकामी को उजागर किया है और इसे रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2025। एजेंसीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारतीय युवाओं की समावेशिता देश में उनके विकास का एक महत्वपूर्ण कारक है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक सभा को संबोधित करते हुए, जहां उन्होंने रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की आर्थिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने, आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और मजदूरों के जीवन को बेहतर बनाने में युवाओं की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। मोदी ने नवनियुक्त युवाओं से विकसित भारत बनने की दिशा में भारत की प्रगति का समर्थन करने के लिए ईमानदारी से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी के पत्र दिए गए हैं। आज भारत सरकार के अलग अलग विभागों में आप युवाओं के नए दायित्वों की शुरूआत हुई है। आपका दायित्व देश के आर्थिक तंत्र को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करना है, आपका दायित्व देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण का है, आपका दायित्व श्रमिकों के जीवन में मूलभूत बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि जब युवा राष्ट्र के निर्माण में भागीदार होते हैं, तो राष्ट्र तेज विकास भी करता है और विश्व में अपनी पहचान भी बनाता है। भारत का युवा आज अपने परिश्रम और इनोवेशन से दुनिया को ये दिखा रहा है कि हममें कितना सामर्थ्य है। हमारी सरकार हर कदम पर ये सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोजगार–स्वरोजगार के अवसर बढ़ें।

जो जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में देंगे जवाब - मुख्यमंत्री योगी

उत्तर प्रदेश, 26 अप्रैल, 2025। एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की निंदा करते हुए यूपी वासियों की ओर से संवेदना और श्रद्धांजलि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद–अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। भारत सरकार का सेवा, सुरक्षा और सुशासन का मॉडल विकास, गरीब कल्याण और सबकी सुरक्षा पर आधारित है। सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत शजिस भाषा में समझेगा, उस भाषा में जवाब देने के लिएश नया भारत तैयार है। नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को पीएम मोदी के नेतृत्व में छोड़ेगा भी नहीं। जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत ही यूपी को माफिया, अराजकता, दंगा मुक्त किया गया और देश को अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में लाकर खड़ा किया। सीएम योगी ने सपा को घेरते हुए कहा कि विकास, महिला, युवा, किसान विरोधी लोगों को जब शासन का अवसर मिला था तो ये लोग किसानों को आत्महत्या, युवाओं को पलायन पर मजबूर करते थे और पेशेवर अपराधियों को संरक्षण देकर बेटी, बहन व व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। आज शासन सबकी सुरक्षा के लिए मजबूती से कार्य कर रहा है। कांग्रेस व सपा जाति के नाम पर समाज को बांट रही है। यह छत्रपति शिवाजी, राणा सांगा का अपमान व क्रूर औरंगजेब–बाबर का महिमामंडन करते हैं। लखीमपुर खीरी में शनिवार को मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान, आवास और ट्रैक्टर की चाबी आदि प्रदान की। बाढ़ नियंत्रण की सकारात्मक पहल के लिए बिजवा और पलिया ब्लॉक के किसानों ने मंच पर आकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रदेश बताते हुए कहा कि बाढ़ हो या बीमारी, नए भारत का नया उत्तर प्रदेश इसके समाधान के लिए बखूबी आगे बढ़ा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष पलिया और निघासन क्षेत्र के लोगों को बाढ़ से जूझते देखा था, तब मैंने कहा था कि चिंता मत कीजिए, इसके स्थायी समाधान का रास्ता निकालेंगे। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जल शक्ति विभाग बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए शारदा नदी को चौनलाइज करने जा रहा है। इससे किसान का खेत भी बचेगा और बाढ़ से बस्ती भी बचेगी। सात किलोमीटर लंबा चौनल बनाने का कार्य हो रहा है।

पाकिस्तान बूंद-बूंद पानी के लिए तरसेगा, अमित शाह की बैठक में हुआ बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर शुक्रवार को सिंधु जल समझौता के निलंबन को लेकर बैठक हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील के बीच करीब 45 मिनट लंबी बैठक में पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोकने के तरीकों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में तीन प्रमुख विकल्पों, अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक, पर विचार किया गया। सरकार का स्पष्ट इरादा है कि पाकिस्तान को एक बूंद पानी भी न जाने दिया जाए। बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि पानी रोकने के हर संभावित तरीके पर तुरंत काम शुरू किया जाएगा।

अधिकारियों को इस दिशा में तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के सचिव सैयद अली मुर्तजा को एक पत्र लिखा था। पत्र के माध्यम से उन्होंने औपचारिक रूप से पाकिस्तान को सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने के फैसले के बारे में जानकारी दी थी। पत्र में कहा गया था कि यह भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान सरकार को भेजे गए नोटिसों के संदर्भ में है, जिसमें संधि के अनुच्छेद 12 (3) के तहत 1960 की सिंधु जल संधि (संधि) में संशोधन की मांग की गई थी। नोटिसों में बदलती परिस्थितियों, जैसे जनसंख्या में भारी वृद्धि, स्वच्छ ऊर्जा विकास की आवश्यकता और जल बंटवारे से जुड़े मूलभूत अनुमानों में बदलाव का जिक्र किया गया है। भारत का कहना है कि इन कारणों से संधि के विभिन्न अनुच्छेदों और अनुबंधों के तहत दायित्वों की पुनरू समीक्षा जरूरी है। पत्र में पाकिस्तान पर संधि का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया गया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू–कश्मीर में सीमा पार आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिया है, जिसके कारण सुरक्षा अनिश्चितताओं ने भारत को संधि के तहत अपने अधिकारों का पूर्ण उपयोग करने में बाधा डाली है।

लोकतांत्रिक राजनीति वैश्विक स्तर पर मौलिक रूप से बदल गई है – राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में लोकतांत्रिक राजनीति मौलिक रूप से बदल गई है और एक दशक पहले जो नियम लागू थे, वे अब मान्य नहीं हैं। यहां आयोजित 'भारत समिट 2025' में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि आज के आक्रामक राजनीतिक माहौल में विपक्ष को कुचलना और मीडिया को कमजोर करना ही लक्ष्य बन गया है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान अपने अनुभवों को याद करते हुए गांधी ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि नेता लोगों की आवाज समझने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''राजनीति, लोकतांत्रिक राजनीति पूरी दुनिया में मौलिक रूप से बदल गई है। मैं कहूंगा कि एक दशक पहले जो नियम लागू थे, वे अब लागू नहीं होते। कभी–कभी, जब मैं अपनी पार्टी के युवा सदस्यों से बात करता हूं, तो पाता हूं कि जो चीजें 10 साल पहले प्रभावी थी, जो साधन 10 साल पहले कारगर थे, वे अब कारगर नहीं हैं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''इसलिए एक तरह से पुराने नेता खत्म हो चुके हैं और एक नए तरह के नेता को गढ़ा जाना चाहिए।'' गांधी ने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें मूल रूप से शुक्रवार को सम्मेलन को संबोधित करना था, लेकिन इसके बजाय उन्हें कश्मीर जाना पड़ा। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कार्यक्रम के प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया। वैश्विक न्याय, समानता और प्रगतिशील सहयोग पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देने पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन 'भारत समिट' शुक्रवार को शुरू हुआ।

भाजपा ने प्रदूषण के नाम पर दिल्ली की जनता को गुमराह करने का किया षड्यंत्र – सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार पर प्रदूषण के मामले में जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा ने चुनाव पूर्व दिल्ली में प्रदूषण खत्म करने के बड़े–बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद वे वादे पूरी तरह से झूठे साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, भाजपा ने दिल्ली की जनता को गुमराह करने के लिए जानबूझकर हरित क्षेत्रों में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन लगाए हैं। जंगलों और हरे–भरे इलाकों में प्रदूषण का स्तर स्वाभाविक रूप से काफी कम होता है, और भाजपा इस तथ्य का इस्तेमाल कर जनता के सामने प्रदूषण के स्तर को कृत्रिम रूप से कम दिखा रही है। आप नेता ने इसे दिल्ली की जनता के खिलाफ एक आपराधिक षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में पहले से ही 40 एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन हैं, जो आबादी और औद्योगिक क्षेत्रों के अनुपात में लगाए गए थे। लेकिन भाजपा सरकार ने जिन छह नई जगहों पर मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने का निर्णय लिया है, वे सभी हरित क्षेत्र हैं – जैसे सेंट्रल रिज, जेएनयू परिसर, इग्नू के पीछे का मैदानगढ़ी जंगल, अक्षरधाम के पास यमुना किनारे कॉमनवेल्थ गेम्स कॉम्प्लेक्स और एनएसटीयू कैंपस। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि शुक्रवार को वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक्यूआई 373 दर्ज किया गया था, रोहिणी के रिहायशी इलाके में 334, जबकि मंदिर मार्ग के हरित क्षेत्र में एक्यूआई 156 रहा। भाजपा सरकार का इरादा हरित इलाकों में मॉनिटरिंग स्टेशन लगाकर प्रदूषण के वास्तविक स्तर को छिपाने का है।

एक राष्ट्र एक चुनाव से विकास को पंख लगेंगे - शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसीं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि देश में साल भर कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं जिसकी वजह से विकास कार्य ठप हो जाता है। उन्होंने कहा कि ' एक राष्ट्र,एक चुनाव' होने से विकास को पंख लगेंगे। सरकारी व्यवस्थाओं पर से बोझ कम होगा। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का जो सपना देखा है, उसे हम सब को मिल कर साकार करना है। एक बयान के मुताबिक गांधी भवन प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा,'' एक राष्ट्र एक चुनाव, देश की आवश्यकता है। साल के 12 महीने चुनाव होते रहते हैं। हर प्रदेश के मुख्यमंत्री व मंत्री चुनाव प्रचार करते हैं, इससे विकास कार्य थम जाते हैं। हर महीने आचार संहिता लगने से जनकल्याणकारी योजनाएं भी प्रभावित होती हैं।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस योजना पर काम करना शुरू किया था। अब समय आ गया है कि हम सभी उनके इस सपने को साकार करें। इससे पूर्व कार्यक्रम संयोजक एवं उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव, देश के लिए बहुत आवश्यक है। एक राष्ट्र एक चुनाव कराने से न केवल देश पर चुनाव कराने का आर्थिक बोझ कम होगा।

पहलगाम हमले के विरोध में कांग्रेस ने दिल्ली में निकाला कैंडल मार्च

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2025। एजेंसी। जम्मू– कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को कांग्रेस ने राजधानी दिल्ली में कैंडल मार्च निकाला। इसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि इस कैंडल मार्च का मतलब सिर्फ इतना है कि हम सभी एक हैं। लेकिन, हम चाहते हैं कि मोदी सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लें जिससे पाकिस्तान को सबक मिले और भविष्य में वह इस तरह की कोई हरकत न करे। उन्होंने कहा कि पूर्व में पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। 1965 में हम लाहौर तक घुस गए थे और 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए। जिस तरह से पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलियां बरसाई, यह कहीं न कहीं सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है। हम सरकार के साथ खड़े हैं। हम चाहते हैं कि सरकार कोई सख्त कार्रवाई करे। उदित राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, ष(लोकसभा में) नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों को श्कैंडल मार्चश निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वीर सावरकर के मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से लगी फटकार पर कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे तो लगता है कि राहुल गांधी ने जो तथ्य रखा उसमें कोई शक नहीं है। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने कहा, कांग्रेस पार्टी और हम सभी इस कठिन समय में देश के साथ एकजुट हैं।

दिल्ली में पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के निर्देश जारी

नई दिल्ली,26 अप्रैल, 2025। एजेंसीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई आधिकारिक समय सीमा के बाद भारत में नहीं रहेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि दिल्ली सरकार केंद्र के निर्देशों का सख्ती से पालन करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री की ये टिप्पणी भारत सरकार द्वारा जारी एक व्यापक आदेश के बाद आई है, जिसमें 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए सभी वीजा रद्द कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार का यह कदम 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के जवाब में उठाया गया है। इस आतंकवादी हमले में कुल 26 लोगों की मौत हुई थी। इसमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय युवक था। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 27 अप्रैल 2025 से चिकित्सा, राजनयिक और दीर्घकालिक वीजा को छोड़कर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, मौजूदा मेडिकल वीजा भी 29 अप्रैल, 2025 के बाद अवैध हो जाएंगे। उन्होंने कहा, अब से पाकिस्तानी नागरिकों को कोई नया वीजा जारी नहीं किया जाएगा। आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर रही है। हर उल्लंघन पर गंभीरता से नजर रखी जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा भारत – जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को ''करारा'' जवाब देगा। इस सप्ताह की शुरुआत में हुए हमले में 26 लोगों की मौत गई थी। श्रीमंत दगडूशेठ गणपति की पूजा–अर्चना करने के बाद यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में नड्डा ने कहा कि पूरा देश उम्मीद करता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस हमले का कड़ा जवाब देंगे। हाल के वर्षों में कश्मीर में हुए सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक में पहलगाम के लोकप्रिय बैसरन मैदान में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर की गई गोलीबारी में कम से कम 26 लोग मारे गए थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैं यहां गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने आया हूं।

जिस तरह से जम्मू–कश्मीर में कायरतापूर्ण हमला हुआ, उससे पूरा देश गुस्से में है और उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस हमले का कड़ा जवाब देंगे।'' उन्होंने कहा कि वह आशीर्वाद मांगते हैं कि देश स्थिति का मजबूती से सामना करे और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को ''करारा'' जवाब दे। नड्डा ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि गणेशजी के आशीर्वाद से देश इस कठिन समय से गुजर जाएगा और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब दिया जाएगा।

सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को प्राथमिकता देने की जरूरत - मनोहर लाल

नई दिल्ली, एजेंसीं। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को राज्यों से सरकारी कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर को प्राथमिकता देने को कहा। यहां बिजली क्षेत्र के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली की खपत से राजस्व अनुकूलतम होगा। उन्होंने कहा, "आवासीय कॉलोनियों सहित सरकारी प्रतिष्ठानों में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने से न केवल बिजली की खपत से राजस्व सृजन में वृद्धि होगी, बल्कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण नेटवर्क में शामिल संस्थाओं के परिचालन घाटे को कम करने में भी मदद मिलेगी। क्षेत्रीय सम्मेलन में त्रिपुरा के बिजली मंत्री रतन लाल नाथ, मेघालय के बिजली मंत्री ए टी मंडल, मिजोरम के ऊर्जा मंत्री एफ रोडिंगलियाना और सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने भाग लिया। मनोहर लाल ने विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में देश की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भविष्य के लिए तैयार, आधुनिक और वित्तीय रूप से व्यवहार्य बिजली क्षेत्र के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, "विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली क्षेत्र की वृद्धि महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

शहरी वजूद में खुली सांस

शहरी स्वच्छता के पैमानों में दम भरते हुए हिमाचल ने अपने नगरीय जीवन की नब्ज टटोली है। सूची के शिखर पर सोलन, तो अंतिम आठवें स्थान पर हमीरपुर रहा। आश्चर्य यह कि शिमला की स्वच्छता के अलंकार भी केवल सांतवां स्थान अर्जित कर पाए, जबकि धर्मशाला दूसरे स्थान पर रहा। स्वच्छ शहर–समृद्ध शहर की परिकल्पना में नगर निगमों की जमीन पर, शहरों की यह व्याख्या बता रही है कि इस सफर की कहानी कठिन है। यही सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल के शहरीकरण को कमजोर मानता है। यहां राजधानी शिमला अगर निचली पायदान पर नजर आ रही है, तो यह चिंता का विषय है। यह इसलिए भी कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत शिमला की स्वच्छता के आदर्श परिमार्जित होने चाहिएं, जबकि राजधानी का रुतबा लुढक गया। पर्वतीय शहरों की जरूरतें नागरिकों की बदलती जीवन शैली के कारण तीव्रता से बढ़ रही हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में कचरा भी बढ़ रहा है। शहरों के वजूद को खुली सांस लेने में तकलीफ है। गलियां तंग हैं, गलियां बंद हैं, जबकि भविष्य की नाकेबंदी पर नागरिक असहमति का राज है। स्वच्छता के दर्पण में टीसीपी कानून और टीसीपी महकमा कहीं छटपटा रहा है। इन आठ शहरों की नगर विकास योजना या तो मुकम्मल नहीं या आज तक सक्षम नहीं। स्वच्छ शहर की अहर्ताओं को पहचाने बिना शहर न तो सक्षम और न ही समृद्ध होंगे। सोलन जिसे मूल्यांकन में टॉप पोजिशन मिली है, उसे भी नागरिक जरूरतों से जूझना पड़ रहा है। पिछले दशक में बेशक नागरिक समाज और समृद्ध तथा शुमारी में शहर आगे हो गया, लेकिन पूरे शहर में एंबुलेंस पहुंचानी हो तो शीर्षासन करना पड़ेगा। सडकों के किनारे खड़े वाहनों को हटाना हो, तो नियमावली बदलनी पड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन की नई परिभाषा में इलेक्ट्रिक वाहन और रज्जु मार्गों का जाल बिछाना पड़ेगा। शहर में पार्किंग सुविधाओं और पार्कों में खुली सांस के लिए अतिरिक्त जमीन चाहिए। यह आज से सोचना पड़ेगा कि सोलन को कहां तक बढ़ाएं और कहां रोक दें। एक दिन इस सोलन में नया सोलन चाहिए। बेशक निजी व्यापारी पहाड़ खोद कर जमीन बेच रहे, लेकिन पर्वतीय शहर की आबरू बची कहां। शिमला का भविष्य 'राज्य राजधानी क्षेत्र' में बांटना होगा। शिमला अपने परिसर में कई सेटेलाइट टाउन की विरासत में खुद को बचा व संवार सकता है। इसके लिए वाकनाघाट में एक कर्मचारी नगर बसाकर वहां कुछ दफ्तर व सरकारी आवासीय व्यवस्था करनी होगी। धर्मशाला की स्मार्ट सिटी परियोजना 2109 करोड़ से सिमट कर 631 करोड़ की रह गई। यहां केंद्र ने 581 करोड़, जबकि राज्य ने मात्र 50 करोड़ दिए। आश्चर्य यह कि इस परियोजना को समझाने या आगे बढ़ाने के लिए सीमेंट–सरिया और ठेकेदारों के बीच एक जरिया ही समझा गया। कई योजनाओं के तिलक विभाग ले गए। एचआरटीसी को पंद्रह इलेक्ट्रिक बसें और एक वर्कशाप के लिए धन देकर भी शहर को सार्वजनिक परिवहन नहीं मिला। यह दीगर है कि स्वच्छता के नाम पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर मेहनत हुई है। मंडी शहर हो, पालमपुर हो, हमीरपुर–ऊना हो या बद्दी, ये अपनी–अपनी मौलिकता, क्षमता और नागरिक स्वभाव की वजह से अलग–अलग चरित्र व पैमाने रखते हैं। केवल दायरे बड़े करने से कोई शहर बड़ा नजर नहीं आता, बल्कि इन सभी शहरों के लिए आगामी तीस सालों के खाके बनने चाहिएं। बीबीएन के आर्थिक पहलू को उभारने के लिए हमारे प्रयास केवल औद्योगिक पैकेज तक ही सीमित रहे, जबकि यह शहर चंडीगढ़ की समीपता में कई रोशनदान खोल सकता था।

पहलगाम अटैक और शिमला समझौते का निलंबन

जय

पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को संशोधन के लिए नोटिस जारी करने के फैसले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने शिमला समझौते को एकतरफा निलंबित करने की घोषणा की है। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और गहरा सकता है, जिसके परिणाम कश्मीर, नियंत्रण रेखा, जल कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता पर व्यापक प्रभाव डाल सकते हैं। शिमला समझौता, जो 1972 में भारत–पाकिस्तान के बीच शांति और द्विपक्षीय बातचीत का आधार बना, अब खतरे में है, और इसके निलंबन से दोनों देशों के बीच विश्वास का आधार टूट सकता है। यह लेख इस निलंबन के संभावित परिणामों का तथ्यों और आंकड़ों के साथ गहराई से विश्लेषण करता है, ताकि इस जटिल स्थिति को समझा जा सके। शिमला समझौता 2 जुलाई 1972 को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हस्ताक्षरित हुआ था। इसका उद्देश्य 1971 के भारत–पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच शांति स्थापित करना था, जिसमें भारत ने 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया था और लगभग 5,600 वर्ग मील पाकिस्तानी क्षेत्र पर कब्जा किया था। समझौते ने नियंत्रण रेखा को परिभाषित किया, जो 17 दिसंबर 1971 की युद्धविराम रेखा पर आधारित थी, और दोनों देशों को कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से हल करने का वचन दिया। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व और एक–दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की प्रतिबद्धता जताई। यह समझौता भारत–पाक संबंधों का एक आधारभूत ढांचा बन गया, जिसने युद्ध के बाद तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पाकिस्तान के इस कदम से क्या प्रभाव होंगे?

पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा एक अभूतपूर्व कदम है, क्योंकि यह समझौता दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक था। इस निलंबन का सबसे तात्कालिक प्रभाव नियंत्रण रेखा और कश्मीर मुद्दे पर पड़ेगा। नियंत्रण रेखा, जो 740 किलोमीटर लंबी है और जम्मू–कश्मीर के पहाड़ी इलाकों से गुजरती है, दोनों देशों के बीच एक अस्थायी लेकिन मान्य सीमा रही है। यदि पाकिस्तान इसकी वैधानिकता को चुनौती देता है, तो सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ सकता है। 2024 तक, भारत और पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर कई बार युद्धविराम का उल्लंघन किया है, जिसमें 2020 में 5,133 उल्लंघन दर्ज किए गए थे। शिमला समझौते के बिना, इन उल्लंघनों की संख्या और तीव्रता बढ़ सकती है, क्योंकि दोनों देश इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के रूप में नहीं देखेंगे। इससे स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से सीमा के पास रहने वाले लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा, जिन्हें पहले ही गोलीबारी और विस्थापन का सामना करना पड़ रहा है। कश्मीर मुद्दा, जो दोनों देशों के बीच सबसे विवादास्पद रहा है, इस निलंबन से और जटिल हो सकता है। शिमला समझौते ने स्पष्ट रूप से कहा था कि कश्मीर सहित सभी विवादों को द्विपक्षीय रूप से हल किया जाएगा, और तीसरे पक्ष या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे नहीं ले जाया जाएगा। पाकिस्तान का यह कदम संयुक्त राष्ट्र या अन्य वैश्विक मंचों पर कश्मीर को फिर से उठाने की कोशिश का संकेत हो सकता है। हालांकि, भारत, जिसने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाकर जम्मू–कश्मीर को पूर्ण रूप से अपने नियंत्रण में ले लिया है, इसे आंतरिक मामला मानता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्यों जैसे रूस और संभावित रूप से अमेरिका के समर्थन के कारण पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीयकरण का प्रयास विफल हो सकता है। फिर भी, यह कदम दोनों देशों की जनता में राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़का सकता है, जिससे शांति की संभावनाएं और कम हो जाएंगी। शिमला समझौते का निलंबन भारत–पाकिस्तान संबंधों को लगभग पूर्ण ठहराव की स्थिति में ला सकता है। दोनों देशों के बीच व्यापार, जो पहले ही न्यूनतम है, पूरी तरह रुक सकता है। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र का दर्जा वापस ले लिया था और आयात पर 200: शुल्क लगा दिया था। 2023 तक, भारत–पाक व्यापार केवल 2 अरब डॉलर के आसपास था, जो 2016 के 6 अरब डॉलर से काफी कम है। निलंबन के बाद, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, धार्मिक तीर्थयात्रा (1974 के प्रोटोकॉल के तहत), और खेल जैसे क्षेत्रों में भी पूर्ण विराम लग सकता है। इससे दोनों देशों की जनता के बीच अविश्वास और गहरा होगा, जो पहले से ही सीमा पार आतंकवाद और प्रचार के कारण तनावग्रस्त है।

सिंधु जल समझौते के निलंबन का असर

सिंधु जल समझौते से इस निलंबन का अप्रत्यक्ष लेकिन गहरा संबंध है। भारत ने 30 अगस्त 2024 को सिंधु जल समझौते में संशोधन की मांग की, जिसमें तीन कारण दिएरू जलवायु परिवर्तन और नई प्रौद्योगिकियों के कारण बदली परिस्थितियां, स्वच्छ ऊर्जा के लिए जल उपयोग की आवश्यकता, और सीमा पार आतंकवाद के कारण समझौते का प्रभावी कार्यान्वयन न होना। सिंधु जल समझौते के तहत, सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों का जल बंटवारा होता है, जिसमें पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को और पूर्वी नदियां (रावी, सतलज, ब्यास) भारत को दी गई हैं। भारत का तर्क है कि उसे अपनी 20% जल संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने का अधिकार है, विशेष रूप से जम्मू–कश्मीर में जलविद्युत परियोजनाओं जैसे किशनगंगा (330 मेगावाट) और रतले (850 मेगावाट) के लिए। पाकिस्तान ने इसे एकतरफा कदम माना और शिमला समझौते को निलंबित करने की घोषणा की। यदि सिंधु जल समझौते पर बातचीत विफल होती है, तो भारत अपनी परियोजनाओं को तेज कर सकता है, जिससे पाकिस्तान को जल की कमी का सामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, जो 80: कृषि पर निर्भर है और सिंधु नदी से 65% पानी प्राप्त करती है, इस स्थिति से बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय स्थिरता पर भी इस निलंबन का गहरा प्रभाव पड़ेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, जिनके पास क्रमशः 164 और 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है (2024 तक)। शिमला समझौते के बिना, छोटे स्तर के सैन्य टकराव भी बड़े युद्ध में बदल सकते हैं, जिसका परिणाम दोनों देशों और दक्षिण एशिया के लिए विनाशकारी होगा। इसके अलावा, चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है और भारत के साथ लद्दाख में सीमा विवाद में उलझा हुआ है, इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जिसमें 62 अरब डॉलर का निवेश है, भारत के लिए एक रणय भारत की बढ़ती वैश्विक स्थिति, विशेष रूप से जी20 और क्वाड जैसे मंचों पर, इसे कूटनीतिक रूप से मजबूत बनाती है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस निलंबन का प्रभाव सीमित हो सकता है। विश्व बैंक, जो सिंधु जल समझौते में मध्यस्थ है, इस स्थिति पर नजर रखेगा, लेकिन भारत की द्विपक्षीय समाधान की नीति बाहरी हस्तक्षेप को रोक सकती है। संयुक्त राष्ट्र में भी पाकिस्तान का कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने का प्रयास भारत की कूटनीतिक ताकत के कारण विफल हो सकता है। फिर भी, यह स्थिति दक्षिण एशिया में जलीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे सकती है, जिससे दोनों देशों में आंतरिक राजनीति और जनता की भावनाएं प्रभावित होंगी।

भारत में, जहां 2024 में लोकसभा चुनावों के बाद राष्ट्रवादी भावनाएं पहले से ही मजबूत हैं, सरकार इस स्थिति का उपयोग अपनी सख्त नीतियों को सही ठहराने के लिए कर सकती है। आर्थिक रूप से, दोनों देशों को नुकसान होगा।

न्यायपालिका–कार्यपालिका के बीच टकराव

आदित्य

लोकतंत्र में कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच मतभेद होना कोई असामान्य बात नहीं है। दोनों शाखाओं के बीच स्वस्थ संवाद भी हो सकता है। फिर भी, तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के सक्रिय रुख की आलोचना ने एक बड़ा आयाम हासिल कर लिया है।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश को मोंटेस्क्यू के शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत की याद दिलाने का विकल्प चुना। अपनी बात को पुख्ता करने के लिए उन्होंने न केवल फैसले की आलोचना की, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 142 की भी आलोचना की, जो अदालत को 'पूर्ण न्याय करने' के लिए आदेश पारित करने का अधिकार देता है। न्यायालय ने इस शक्ति का प्रयोग करते हुए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल की कार्रवाई के लिए समय सीमा तय की। इस इशारे से असंतुष्ट होकर उपराष्ट्रपति को लगता है कि यह प्रावधान सुप्रीम कोर्ट के पास उपलब्ध 'मिसाइल' जैसा है जिसका इस्तेमाल 'लोकतांत्रिक ताकतों' के खिलाफ किया जा सकता है। राज्यों में जनप्रतिनिधियों के फैसलों को विफल करने वाली 'ताकतों' को 'लोकतांत्रिक' करार देने में एक अंतर्निहित विडंबना है। यही विडंबना तब भी बनी रहती है जब उप राष्ट्रपति, निहितार्थ रूप से, राज्यपाल की मनमानी कार्रवाई या निष्क्रियता का समर्थन करते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 145(3) का हवाला देकर मामले को संविधान पीठ के समक्ष न रखे जाने पर उनका असंतोष भी उतना ही भ्रामक है।अनुच्छेद 142 एक अपरिहार्य उपकरण है जो सर्वोच्च न्यायालय को ठोस रूप में जमीनी स्तर पर न्यायनिर्णयन के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए सक्षम बनाता है। न्यायालय विवादों को शून्य में या विशुद्ध रूप से सैद्धांतिक या प्रस्तावात्मक शब्दों में हल नहीं कर सकता। न्यायिक व्यावहारिकता संवैधानिक न्यायनिर्णयन से अलग नहीं है। ए जी पेरारिवलन मामले (2022) में दो न्यायाधीशों की पीठ ने लगभग 30 वर्षों की कैद के बाद राजीव गांधी हत्याकांड के एक दोषी को रिहा करने का आदेश दिया। यह मामला फिर से राष्ट्रपति के पास भेजे बिना किया गया, जिनके पास अनुच्छेद 72 के तहत क्षमा करने की शक्ति है। न्यायालय ने यह पाया कि संवैधानिक पदाधिकारियों के बीच संचार में पहले ही काफी समय बीत चुका था। उस मामले में, न्यायालय ने दोषी को तत्काल रिहा करने के लिए अनुच्छेद 142 का प्रयोग किया। ऐसा तब किया गया जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने पेरारिवलन को रिहा करने की राज्य सरकार की सिफारिश पर रोक लगाने का फैसला किया। सर्वोच्च न्यायालय अनुच्छेद 142 को ऐसे कई अन्य मामलों में भी लागू करता है जो न तो संवेदनशील हैं और न ही सार्वजनिक महत्व के। यह न्यायालय को कानूनी मुद्दों पर निर्णय लेने और न्याय की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है। प्रावधान को लागू करने की आवश्यकता वाली स्थितियाँ असंख्य हो सकती हैं।फिर आलोचना यह है कि तमिलनाडु के मामले को दो न्यायाधीशों की पीठ के बजाय संविधान पीठ को भेजा जाना चाहिए था। उपराष्ट्रपति ने निहितार्थ रूप से इस आलोचना का समर्थन किया है। यह विचारधारा कई कारणों से निराधार है। सबसे पहले, याचिकाकर्ता की ओर से या केंद्र की ओर से ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया गया था। केंद्र का प्रतिनिधित्व अटॉर्नी जनरल द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया, जिन्होंने पीठ के समक्ष सभी संभावित तर्क रखे। दूसरे, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित संविधान पीठ के मामलों की संख्या को देखते हुए, मामले में शीघ्र निर्णय की संभावना धूमिल है। पूरी संभावना है कि जब तक संविधान पीठ मामले पर फैसला सुनाएगी, तब तक विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया ही बेकार हो जाएगी। इसका परिणाम निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल और न्यायिक सुस्ती के कारण निरस्त करना होगा। इस प्रकार, संदर्भ तर्क में व्यावहारिक बुद्धि का अभाव है। तीसरा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है।

स्वास्थ्य/विविध

बच्चों और बुजुर्गों के संग जा रहे हैं केदारनाथ यात्रा पर तो ऐसे करें प्लानिंग

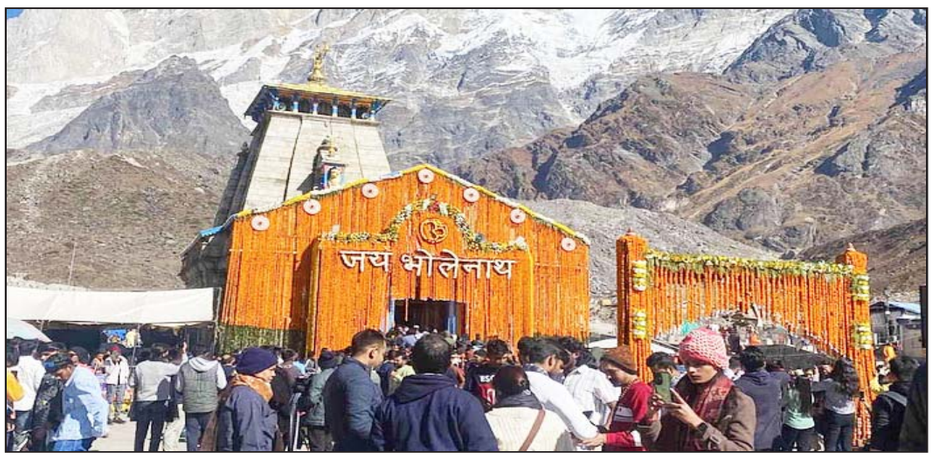

लंबे इंतजार के बाद अब केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने को तैयार हैं। 2 मई, 2025 को बाबा केदार के द्वार लोगों के लिए सुबह 6रू20 बजे खुल जाएंगे। तीर्थयात्रियों को केदारनाथ मंदिर में सुबह 7 बजे से प्रवेश मिलेगा। ऐसे में लोगों ने बाबा के दर्शन को रजिस्ट्रेशन करा लिया है। दरअसल, पर्यटन विभाग ने 20 मार्च से आधार आधारित ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था, जिसके बाद अभी तक लाखों लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। यदि आप भी इस बार अपने परिवार के साथ बाबा के दर्शन को जा रहे हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान रखकर ही प्लानिंग करें। यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिनका ध्यान बाबा केदार के द्वार पर जाने की प्लानिंग करते वक्त रखना जरूरी है।

सही समय का चयन करें

यदि आप अपने बच्चों और घर के बुजुर्गों के साथ बाबा केदार के दर्शन को जा रहे हैं, तो ऐसे समय का चुनाव करें जब वहां ज्यादा भीड़ न हो। यात्रा की शुरआत के दिनों में जाने का प्लान न बनाएं। इन दिनों में सबसे ज्यादा भीड़ होती है। इसके अलावा बारिश के मौसम में भी वहां जाने से बचें। बारिश के मौसम में पहाड़ों पर काफी फिसलन हो जाती है, जिस कारण आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है।

हेल्थ चेकअप है जरूरी

यात्रा पर जाने से ठीक पहले अपने साथ–साथ बच्चों और बुजुर्गों का फुल बॉडी चेकअप अवश्य कराएं। बॉडी चेकअप इसलिए भी जरूरी है, ताकि पता लग पाए कि कहीं किसी के शरीर में किसी प्रकार की दिक्कत तो नहीं है। यदि कोई दिक्कत है, तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही केदारनाथ यात्रा पर जाएं।

पहले से तय करें ट्रैवल मोड

केदारनाथ बाबा के दर्शन के लिए आपको कई किलोमीटर चढ़ाई करनी पड़ती है, जो बुजुर्गों और बच्चों के लिए करना संभव नहीं है। ऐसे में पहले से ही ये तय कर लें कि खच्चर, पालकी, पिट्ठु या फिर हेलीकॉप्टर में से क्या उनके लिए सही रहेगा। हेलीकॉप्टर की बुकिंग पहने करनी होती है। जबकि अन्य चीजें आपको चढ़ाई की शुरुआत में मिल जाएंगे। इनके दाम फिक्स होते हैं, इसलिए मोलभाव से बचें।

रूकने का इंतजाम पहले से कर लें

याद रखें कि केदारनाथ में भीड़ की वजह से होटल–धर्मशाला या होम स्टे मिलना इतना आसान नहीं है। इसलिए जाने से पहले ही रुकने का इंतजाम कर लें। गौरीकुंड, सोनप्रयाग, फाटा या केदारनाथ में सरकारी गेस्ट हाउस या होटल पहले से बुक कर लें। ताकि आपको बच्चों और बुजुर्गों को लेकर कहीं भटकना न पड़े।

खाने–पीने का सामान साथ रखें

बच्चों के अलावा बुजुर्गों को भी समय–समय पर कुछ न कुछ खाने की जरूरत होती है। ऐसे में अपने साथ कुछ खाने–पीने का सामान अवश्य रखें। मठरी, लड्डू, नमकीन, बिस्किट जैसी चीजों को साथ रखें। क्योंकि ये जल्दी खराब नहीं होती हैं।

फर्स्ट एड किट है जरूरी

खाने–पीने के अलावा अपने साथ फर्स्ट एड किट भी रखें। इसमें जरूरत की दवाईयां रखें।

विक्स, मूव स्प्रे, बैंडेज जैसी चीजें आपके पास होना बेहद जरूरी है। गर्म पट्टी भी साथ रख लें, जरूरत के समय ये काम आ सकती है।

लंच में तैयार करें इंस्टेंट छोले–भटूरे, बनाने का सरल तरीका

बहुत से बच्चों की भी आज छुट्टी होती है। ऐसे में हर किसी की फरमाइश होती है अच्छा खाना खाने की। शाम के समय लोग हल्का भोजन करना पसंद करते हैं, तो वहीं बहुत से लोग परिवार संग घूमने निकल जाते हैं, ऐसे में आप लंच में अपने परिवार के लिए स्वादिष्ट छोले भटूरे बना सकती हैं। वैसे तो इसे बनाने के लिए छोलों को रातभर के लिए भिगोना पड़ता है, लेकिन हम आपको जो रेसिपी बताने जा रहे हैं, उसको फॉलो करने के बाद छोलों को भिगोने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप बिना भिगोए भी इंस्टेंट छोले और भटूरे तैयार कर सकते हैं। तो चलिए बिना देर किए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

छोले बनाने का सामान

1 कप उबले हुए सफेद छोले
2 टमाटर
1 प्याज
अदरक–लहसुन पेस्ट
1 छोटा चम्मच जीरा
1/2 छोटा चम्मच हल्दी
1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
1 छोटा चम्मच चाट मसाला
हरा धनिया
विधि

चूंकि आपको छोले आज लंच में ही बनाने हैं तो आपके पास इसे रातभर के लिए भिगोने का समय नहीं है। ऐसे में अभी ही इसे खौलते पानी में भिगो दें। दो से तीन घंटे भीगने पर भी ये फूल जाएंगे। छोले जब फूल जाएं तो इन्हें नमक के पानी में डालकर कूकर में उबाल लें। उबलने के बाद इसे साइड में रख दें और अब शुरू करें छोले बनाने की विधि।

इसके लिए सबसे पहले तो टमाटर की प्यूरी बना लें। चाहें तो इसे बारीक भी काट सकते हैं। जब प्यूरी बन जाए तो एक कढ़ाई में सबसे पहले थोड़ा सा तेल डालें और उसमें हल्दी, जीरा और अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। इसके बाद इसमें एकदम बारीक कटा प्याज डालें और उसे सुनहरा होने तक भूनें। जब ये सही से भुन जाए तो इसमें टमाटर की प्यूरी डालें।

इसके बाद इसमें सभी बचे मसाले डालें और तब तक भूनें, जब तक कि तेल ऊपर न आ जाए। जब टमाटर से तेल ऊपर आ जाए तो इसमें उबले छोले औक स्वाद के अनुसार नमक डालकर मिक्स करें। मसाले जब छोलों में मिक्स हो जाए तो इसमें पानी डालें और फिर इसे ढककर खौलाएं। जब ये गाढ़ा होने लगे तो गैस बंद कर दें और आखिर में इसमें ऊपर से हरा धनिया डालें। आपके इंस्टेंट छोले तैयार हैं।

भटूरे बनाने का सामान

1 कप मैदा
1/4 कप सूजी
1/2 कप दही
1/2 छोटा चम्मच बेकिंग सोडा
थोड़ा सा नमक
तेल
विधि

भटूरे बनाने के लिए सबसे पहले मैदा और सूजी को छानकर एक बड़े परात में रख लें। इसके बाद इसमें दही मिक्स करें और गूंथें। जब ये गूंथने लगे तो मैदा में थोड़ा सा बेकिंग सोडा और नमक डालकर मिक्स करें। इसके बाद थोड़ा–थोड़ा गुनगुना पानी डालते हुए मैदा को पूरी तरह से गूंथ लें। जब ये पूरी तरह से गुंथ जाए तो इसे ढककर रख दें।

जब भटूरे खिलाने हों को एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और लोई से भटूरे बेलकर इसे गरम तेल में तल लें। गोल्डन होने पर इन्हें तेल से निकाल लें और प्लेट में रख लें। इसके बाद इन भटूरों को छोले, प्याज, अचार और चटनी के साथ परोसें।

सालों तक नहीं भरता अपनों को खोने का घाव, इन तरीकों से मिल सकती है दुःख से थोड़ी राहत

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देशभर को झकझोर कर रख दिया है। इस आतंकी हमले में 26 लोग तो मारे ही गए हैं, साथ ही में इस हमले से देशभर के लोगों के दिलों को मानसिक आघात पहुंचा है। लोग मृतकों के बिलखते परिवारजनों की फोटोज और वीडियोज देखकर परेशान हो रहे हैं और अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहे।

वो कहते हैं न कि जाने वाले तो चले जाते हैं, लेकिन जो रह जाते हैं, उनके लिए खुद को संभालना काफी मुश्किल हो जाता है। सोचिए क्या बीत रही होगी उस पत्नी पर जिसके सामने उसके पति को गोली मार दी गई। क्या बीत रही होगी उस बच्चे पर, जिसको साइड करके उसके पिता को गोलियों से भून दिया गया। जिंदगीभर उनके दिमाग से 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले की तस्वीरें निकल नहीं पाएंगी। सालों लगेंगे कि बात को समझने में कि उन्होंने अपने सबसे प्रिय परिवारजन को खो दिया।

इस दर्द से उबरना तो आसान नहीं है, लेकिन कुछ तरीके अपनाकर आप अपनों को खोने के दर्द से थोड़ी राहत पा सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि आपके आस–पास वाले लोगों के लिए भी काफी कष्टदायी होगा।

अपनी भावनाएं व्यक्त करें

किसी को खोने के बाद अपनी भावनाओं को कभी मन में न दबाएं। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिन में घुटन सी महसूस होने लगेगी। अपने दोस्तों, परिवारवालों और अन्य करीबियों से बातचीत करें। उन्हें बताएं कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर रोने का मन है तो रोएं। इस कठिन समय में कभी भी अपने मन की बातों को मन में न रखें।

खुद को समझें

ये बिल्कुल नहीं सोचें कि लोग इस वक्त आपके बारे में क्या सोचेंगे। वो करें जो आपको अच्छा लगता हो। लोगों के प्रेशर में आकर कुछ भी कदम न उठाएं। यदि कुछ दिन अकेले रहकर खुद को हील करना अच्छा लगे तो वो करें। बहुत से लोगों को अकेले मेडिटेशन करके खुशी मिलती है। ऐसे में अन्य लोगों को उनकी सहायता करनी चाहिए, न कि उन्हें और परेशान करना चाहिए।

खुद को व्यस्त रखें

किसी अपने को खोने के बाद खुद को जितना हो सके व्यस्त रखे। यदि आप उन्हीं यादों में खोए रहेंगे या पुरानी बातें सोचते रहेंगे तो हो सकता है कि आपको इस दुख से उबरने में और भी ज्यादा समय लगे। तो यदि आप जॉब करते हैं तो अपने काम पर वापस जाएं।

शारीरिक गतिविधियों का रखें ध्यान

इस वक्त खुद को न सिर्फ मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रखने की जरूरत है। इसके लिए योग करें, मेडिटेशन करें। चाहें तो योगा क्लास ज्वॉइन कर सकते हैं। योग और मेडिटेशन से आंतरिक शांति मिलती है। अपने खान–पान का भी खास ध्यान रखें, ताकि आपका स्वास्थ्य न बिगड़े।

सकारात्मक गतिविधियों में शामिल हों

इस मौके पर ऐसी गतिविधियों में शामिल हों, जिनसे आपको खुशी मिलती हो। इसके लिए आप किताब पढ़ सकते हैं। अच्छा सकारात्मक संगीत सुन सकते हैं। अपने ऐसे दोस्तों के साथ मिलने जा रहे हैं, जो आपको समझते हों।

सहायता प्राप्त करें

यदि आप ऊपर दिए तरीकों से रिलेक्स नहीं हो पा रहे हैं तो देर न करते हुए मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर जैसे काउंसलर या थेरेपिस्ट से मदद लें। वे आपको इस कठिन समय में मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान कर सकते हैं।

ग्लोबल एजुकेटर्स कॉन्क्लेव एंड अवॉर्ड्स (GECA) 2025 में पीयूष सिंह चौहान को "इमर्जिंग लीडर इन एजुकेशन" से सम्मानित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के वाइस चेयरमैन, पीयूष सिंह चौहान को ग्लोबल एजुकेटर्स कॉन्क्लेव एंड अवॉर्ड्स 2025 में "इमर्जिंग लीडर इन एजुकेशन" के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य सलाहकार (सेवानिवृत्त आईएएस) अवनीश अवस्थी भी उपस्थित रहे।

यह भव्य कार्यक्रम यूनिफ्यूजन कंसल्टेंट्स और लॉर्ड कृष्णा फाउंडेशन द्वारा होटल ताज महल, लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा जगत के उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को सम्मानित किया गया। श्री चौहान को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, नवाचार को बढ़ावा देने, और युवाओं के समग्र विकास हेतु उनके प्रेरणादायक नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। उनके नेतृत्व में शिक्षा को आधुनिक तकनीक के साथ मूल्यों और जीवन कौशल से जोड़ने की दिशा में सराहनीय कार्य हो रहा है।

सम्मान प्राप्त करने के अवसर पर श्री चौहान ने कहारू

"शिक्षा केवल डिग्री पाने का माध्यम नहीं है, यह चरित्र निर्माण, रचनात्मकता और करुणा को विकसित करने का साधन है। जैसे रामायण में भगवान श्रीराम ने धैर्य और आदर्श का पाठ पढ़ाया, और महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाया, वैसे ही आज की शिक्षा का लक्ष्य भी जीवन मूल्यों के साथ नेतृत्व क्षमता का निर्माण होना चाहिए।"

एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के अंतर्गत, श्री चौहान के नेतृत्व में हजारों छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और बहुआयामी विकास के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

ग्लोबल एजुकेटर्स कॉन्क्लेव में देश भर के प्रख्यात शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं और शिक्षा क्षेत्र के अग्रदूतों ने भाग लिया और शिक्षा के भविष्य को आकार देने वाले व्यक्तित्वों का अभिनंदन किया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिला जेल का किया आकस्मिक निरीक्षण,सब कुछ सामान्य

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों

ने बैरकों की सघन तलाशी ली। तलाशी में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।इस दौरान जिला जेल में अफरातफरी का माहौल बना रहा। शनिवार सुबह एक विचाराधीन कैदी की बीमारी के दौरान मौत हुई है।इसको लेकर भी ये निरक्षण हो सकता है। जिलाधिकारी ने जेल अस्पताल का भी दौरा किया। उन्होंने बंदियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्य चिकित्साधिकारी को बंदियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बंदियों से उनके भोजन और स्वास्थ्य के बारे में बातचीत की। मीडिया से बातचीत करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि एक बीमार और कमजोर बंदी की मृत्यु हो गई। नियमानुसार शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। उसका वजन भी काफी कम था वो पहले से बीमार चल रहा था।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जेल अधीक्षक, जेलर और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रोडवेज बस से कछुए तस्करी कर ले जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार, 11 कछुए बरामद

प्रतापगढ़, संवाददाता। रोडवेज बस से कछुआ तस्करी कर ले जा रहे दो आरोपियों को पुलिस ने शुक्रवार को आधी रात में पकड़ लिया। लिखापढ़ी के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। मकंदूगंज पुलिस चौकी प्रभारी अनूप यादव को खबर मिली कि रोडवेज बस से कुछ लोग कछुआ तस्करी कर ले जा रहे हैं। भरत चौक पर चेकिंग के दौरान सुल्तानपुर से प्रयागराज जा रही रोडवेज बस की तलाशी के दौरान एक पशु तस्कर खिड़की से कूदकर भागा, जिसे पुलिसकर्मियों ने पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बस में पीछे की सीट पर बैठे दूसरे व्यक्ति को पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से बोरी व बैग में रखे 11 कछुए बरामद हुए, जिनके पैर बंधे हुए थे।

जानकारी मिलने पर वन विभाग की टीम भी पहुंच गई। तस्करों की पहचान सुल्तानपुर के कोतवाली देहात के हनुमानगंज महेसुवा निवासी दिनेश कंजड़ और उसके रिश्तेदार अमेठी जनपद के जगदीशपुर के पालपुर निवासी अजय कंजड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया। पकड़े गए तस्करों ने पूछताछ में बताया कि वे कछुओं को सुल्तानपुर से फतेहपुर बेचने के लिए ले जा रहे थे। वहां रेलवे स्टेशन पर गोपाल नाम का व्यक्ति उनसे कछुए खरीदता है। वह कछुओं का मांस खाने में प्रयोग करता है। एक कछुए के चार सौ रुपये मिलते हैं। कोतवाली में कछुओं को बचाने के लिए पानी में रखा गया। नगर कोतवाल अर्जुन सिंह ने बताया कि कछुआ तस्करों के गिरोह की धरपकड़ के लिए टीम लगाई गई है।

व्यवसायिक मार्गों पर लगेंगे स्थाई डिवाइडर, जाम से मिलेगी निजात

बुलंदशहर, संवाददाता। नगर पालिका की ओर से व्यवसायिक मार्गों पर एक–एक फुट ऊंचे स्थाई डिवाइडर लगेंगे, जिससे शहर में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। सड़कों पर अलग–अलग दिशा में वाहन चल सकेंगे। इससे दुकानदारों को भी लाभ मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष अंजना भगवान दास सिंघल ने बताया कि जेवर अड्डा चौराहा, कबाड़ी बाजार चौराहा पर जाम की समस्या को देखते हुए पिछले साल नगर पालिका की ओर से चौराहों के चारों मार्गों पर अस्थाई डिवाइडर के लिए सीमेंटेड बैरिकेड लगाए गए। इससे जाम से काफी राहत मिली। आमने–सामने से वाहनों के आने से अक्सर जाम की समस्या होती थी, जो खत्म हो गई थी। लेकिन, मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण शोभायात्रा निकलने या बड़े वाहनों के आने पर यह डिवाइडर हटाने पड़ते थे। इसी के चलते यह डिवाइडर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अब स्थाई एक–एक फुट ऊंचे डिवाइडर लगाए जाएंगे, यदि शोभायात्रा निकलती है तो रथ या पालकी उसके ऊपर से निकल जाएंगे। अन्य वाहन अपनी–अपनी दिशा में चल सकेंगे। इसके लिए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा गया था, जिसकी मंजूरी मिल गई है। जल्द निर्माण कार्य कराया जाएगा।

भारत आतंकवाद के सामने कभी नहीं झुकेगा – सूर्य प्रकाश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर सभागार में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जौनपुर पब्लिक स्कूल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों स्कूली बच्चों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन ने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। ज्ञापन में पाकिस्तान में छिपे आतंकवादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की मांग की गई। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद के सामने कभी नहीं झुकेगा। उन्होंने पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में वापस शामिल करने की मांग भी रखी। विद्यालयों के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र–छात्राओं ने इस अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने देशवासियों की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने की प्रतिज्ञा ली। उन्होंने सरकार को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।इस मौके पर डॉ सीडी सिंह ,थॉमस जोसफ, अनिल कुमार मौर्य , डॉ ओम प्रकाश सिंह, शिवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ हरेंद्र प्रसाद सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह , डॉ पीके सिंह, श्रीप्रकाश सिंह, शिव प्रसाद सिंह, नोमान सिंह, आदि ।

शॉर्ट सर्किट से टेनरी में लगी आग, लाखों का माल जलकर खाक, दमकल ने पाया काबू

कानपुर, संवाददाता। जाजमऊ में शनिवार सुबह शॉर्ट सर्किट से टेनरी के तीसरे माले में आग लग गई। आग लगने से वहां रखा चमड़ा जल गया। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग को बुझाया। जाजमऊ निवासी नसीम अहमद की वाजिदपुर में अकदस इंटरनेशनल के नाम से टेनरी है। शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे टेनरी के तीसरे माले में स्प्रे विभाग में एक्जॉस्ट में शॉर्ट सर्किट होने से चमड़े में आग लग गई। आग की लपटें निकलने पर भूखंड में काम कर रहे कर्मचारियों और इलाके के लोगों को आग की जानकारी हुई। आनन–फानन लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचित किया। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत कर आग को बुझाया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि एक्जॉस्ट में शॉर्ट सर्किट होने से टेनरी की तीसरी मंजिल में आग लगी थी। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है। किसी प्रकार की कोई हताहत नहीं हुई है।

आकाशीय बिजली गिरने से बालिका की मौत,एसडीएम व एसओ मौके पर घटना की ली जानकारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।थाना हैदरगंज क्षेत्र के पूरे मनोहर मजरे रामपुर प्रताप निवासी अखिलेश प्रसाद दुबे की पुत्री अंशिका उम्र लगभग 10 वर्ष गांव के बाहर खेत गई थी जहां पर आज करीब 9:40 के आसपास आकाशीय बिजली गिरने से बालिका की मौत हो गई।राजस्व निरीक्षक हैदरगंज योगेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने के बाद परिवार जनों के द्वारा अंशिका को कूड़ेभार ले गया जाया गया जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पता सुल्तानपुर रेफर कर दिया जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने अंशिका को मृतक घोषित कर दियाघटना की सूचना पाकर एसडीएम बीकापुर विकास धर दुबे थानाध्यक्ष हैदरगंज विवेक कुमार राय लेखपाल अजीत कुमार वर्मा के साथ पहुंचकर मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।राजस्व निरीक्षक योगेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने बताया कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है राजस्व निरीक्षक स्वयं पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद हैं।पोस्टमार्टम होने के बाद शव परिवार जनों को सौंप दी जाएगी।

बैसरन घाटी में मौजूद अधिवक्ता दंपत्ति ने बयां की दहशत की दासतां,पत्नी ने निकाली बिंदी तो पति ने काटा कलावा और सिखा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जम्मू कश्मीर के पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकी वारदात के समय घाटी से 700 मीटर दूर मौजूद अधिवक्ता सूर्यमणि पांडेय और उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी निवासी भूपतपट्टी मुस्तफाबाद ने पहलगाम से लौटने के बाद शनिवार को दहशत की दास्तान बयां किया। सूर्यमणि ने बताया कि 18 से 24 अप्रैल का हम लोगों का कार्यक्रम था। यहां से श्रीनगर पहुंचने के बाद 18 से 21 तारीख तक श्रीनगर रहे।दूसरे दिन सुबह 22 तारीख को पहलगाम के लिए निकले वहां पहुंच कर बैसरन घाटी जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है वहां जाने के लिए दो घोड़ा किया। सड़क से 5 किलोमीटर तक का सफर घोड़े से तय कर बैसरन घाटी पहुंचे वहां नाश्ता पानी के लिए घोड़े से उतरते समय पत्नी विजयलक्ष्मी के हाथ में चोट लग गई और सूजन आ गई। पत्नी ने कहा कि अब आगे नहीं जा पाएंगे। यहीं से वापस लौटिए।तब वहीं पास की कैंटीन में नाश्ता करने लगे। तभी घाटी में सात–आठ सौ मीटर दूर तीन–चार फायर की आवाज आई। घोड़े वालों ने कहा कि गुब्बारा फूटा होगा।धुआं दिख रहा था।तभी कुछ लोग दौड़ते हुए बचाओ बचाओ कहते हुए हम लोगों की तरफ आने लगे और बोले कि टेररिस्ट अटैक हुआ है। हम लोग यह सुनकर कांप उठे और पैदल ही भागने लगे। घोड़े वाले दौड़ते हुए हम लोगों के पीछे आए और कहे फायरिंग हुई है।आप लोग घोड़े पर बैठें और तुरंत नीचे चलिए। मोबाइल निकाला तो घोड़े वाले ने मना किया कोई रिकॉर्डिंग या फोटोग्राफी न करो, जान बचाओ। हाथ का कलवा और शिखा काटने को बोला व पत्नी से सिंदूर, बिंदी निकालने को कहा। पत्नी ने बिंदी निकाल दिया। सिंदूर टोपी के नीचे छिपा ली। पत्नी रोने लगी। घोड़े वाले ने कहा कि आप डरिए मत औरतों को नहीं मारते हैं।रास्ते में दौड़ते हुए जो लोग आ रहे थे वह कह रहे थे कि हिंदू पूछ कर गोली मार रहे हैं।इतनी देर में तीन–चार बार फायरिंग की आवाज और सुनाई पड़ी। करीब 25 मिनट में हम लोग घोड़े से पहलगाम पहुंचे तब तक वहां सीआरपीएफ के लोग आ गए थे।गाड़ी में बैठ गए सीआरपीएफ कवर करते हुए होटल तक लाई और यह हिदायत दिया कि आप लोग बाहर न निकलें। करीब 3रू30 बजे हम लोग होटल में पहुंच चुके थे। होटल वाले व ड्राइवर कैंडल जुलूस निकाले। नारा लगा रहे थे की मेहमान हमारी जान है,कश्मीर की पहचान है, कत्लेआम बंद करो। कहे कि हम लोग अपनी जान दे देंगे आप लोगों को कुछ नहीं होने देंगे।कहा कि आतंकियों ने 28 लोगों को नहीं मारा बल्कि हम जैसे होटल वालों,ड्राइवर, कपड़े बेचने वाले, कैंटीन वाले आदि लाखों परिवारों को मारा है जिनकी रोजी–रोटी पर्यटकों की वजह से ही चलती है।अब हम लोग भुखमरी में आ जाएंगे। अधिवक्ता ने बताया कि हम लोग दहशत के मारे रात भर जागते रहे। हेलीकॉप्टर की आवाज, पुलिस सायरन की आवाज से रात भर भय का माहौल बना था। अगले दिन 23 तारीख को सीआरपीएफ की सुरक्षा में हम लोग श्रीनगर डल झील गए। वहां हाउसबोट में रात भर रहे। 24 को सुबह श्रीनगर से फ्लाइट से दिल्ली, दिल्ली से बाबतपुर और बाबतपुर से अपने घर आए।आज भी पत्नी डरी हुई है। विजय लक्ष्मी ने बताया कि खच्चर वाले बोल रहे थे की यह लोग सिर्फ आदमियों को मारते हैं आप अपनी बिंदी और सिंदूर माथे से हटा दें हमने फौरन अपनी बिंदी हटा ली और अपने सिंदूर को टोपी से ढक लिया।

आधिवक्ता ने बताया कि अगर पत्नी के हाथ में चोट न लगी होती तो हम लोग भी घटनास्थल पर पहुंच गए होते और हो सकता है कि जिंदा भी न बचते। अधिवक्ता ने ये भी कहा कि वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं है । चुकी काफी ऊंची पहाड़ी है वहां चेकिंग के नाम पर कोई सुरक्षा नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नहीं थम रहा आक्रोश, विरोध प्रदर्शन जारी

बुलन्दशहर, संवाददाता। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जन आक्रोष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हमले के विरोध और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को विश्व हिंदू महासंघ किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हरेंद्र प्रजापति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने खुर्जा गेट पुलिस चौकी के पास आतंकवाद के पुतले का दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। वहीं आतंकी हमले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बृहस्पतिवार की रात में ककोड़ में हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला और आतंकवाद के पुतले का दहन किया। वहीं हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन थाना प्रभारी को सौंपा। चोला में बृहस्पतिवार की रात में भाकियू टिकैत के कार्यकर्ताओं ने हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला।

ड्रैगन व स्टाबेरी की खेती पर मिलेगी 40 फीसदी सब्सिडी

बुलंदशहर, संवाददाता। जिले में ड्रैगन और स्ट्रॉबेरी की खेती से किसानों को समृद्ध बताया जाएगा। इसके लिए उद्यान विभाग की ओर से करीब 10 करोड़ रुपये की कार्य योजना बनाकर भेजी गई है। ड्रैगन और स्ट्रॉबेरी की खेती करने पर किसानों को 40 फीसदी सब्सिडी मिलेगी। जिला उद्यान अधिकारी जगदीश सिंह ने बताया कि बुलंदशहर एक कृषि प्रधान जिला है। यहां विभिन्न प्रकार की खेती कराई जाती है। किसानों को बागबानी की खेती से जोड़ने के लिए बड़े स्तर पर प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इसमें ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, आम, अमरूद और शाकभाजी की खेती कराई जाएगी। इसके लिए अलग–अलग फसलों के हेक्टेयर तय किए जाएंगे और किसानों से खेती कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों को बागबानी फसलों से जोड़ना विभाग का मुख्य कार्य है। जिले में किसानों को उद्यान विभाग खेती पर अनुदान भी देगा। इसमें 40 फीसदी सब्सिडी भी दी जाएगी। मौजूदा समय में किसान ड्रैगन, स्ट्रॉबेरी, आम, अमरूद सहित शाकभाजी की खेती कर रहे हैं तो अब इसमें किसानों को भी अनुदान दिया जाएगा। किसानों को खेती के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन के आदेश पर कार्य योजना तैयार की गई है। विभाग की गाइड लाइन के अनुसार किसानों को अनुदान दिया जाएगा।

बैंक क्लर्क के पिता को स्कार्पियों सवार टक्कर मारकर भागा, मौत से मचा कोहराम

कानपुर, संवाददाता। ड्यूटी खत्म करके दुकान से निकलते ही बैंक क्लर्क के साइकिल सवार पिता को सामने से आ रहे तेज रफ्तार स्कार्पियों सवार ने टक्कर मारी और भाग निकला। हादसा देख दुकान के लोग दौड़े और निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को पास लगे सीसीटीवी में हादसा कैद होते फुटेज मिल गया है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दबौली सेकेंड निवासी विनोद कटियार (55) पिछले 22 वर्षों से कालपी रोड में स्थित गुलशन लाल चावला की दिल्ली इलेक्ट्रिकल फर्म में काम करते थे। परिवार में पत्नी मिथलेश, बेटा विकास महोबा के कुलपहाड़ में एसबीआई में क्लर्क है, वहीं आयुष बीसीए कर रहा है। बेटों ने बताया कि रोज की तरह शुक्रवार रात करीब 10 बजे पिता साइकिल से दुकान बंद करने के समय निकले ही थे, वैसे ही विजय नगर से मरियमपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें सामने से टक्कर मारी और भाग निकला। हादसे में वह साइकिल सवार उछलकर गिरे और अचेत हो गए। हादसा देख दुकान के लोग दौड़े और उन्हें निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बेटों के अनुसार पुलिस ने स्कार्पियों का नंबर मिला है। जिसे ट्रेस करने पर गाड़ी दो अप्रैल को शोरूम से निकाली की बात कही है। काकादेव इंस्पेक्टर मनोज सिंह भदौरिया के अनुसार कार चालक का पता लगाया जा रहा है।

घर से लापता कैंसर पीड़ित युवक की ट्रेन से कटकर मौत

कानपुर, संवाददाता। रेलबाजार थानाक्षेत्र में घर से लापता कैंसर पीड़ित की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की फोटो और अन्य विवरण सोशल मीडिया में शेयर किया तो परिजनों ने पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचकर मृतक की शिनाख्त की। रेलबाजार में फाई साहब का हाता निवासी मो. लियाकत का बेटा मो. तसलीम (33) मेट्रो में मजदूरी करता था। उसकी पत्नी नाजनी बेगम ने बताया कि पति कैंसर से पीड़ित थे। बताया कि पति 23 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे घर से निकल गए थे। इसके बाद वह देर रात तक नहीं लौटे। उनके भाई तहसीन, मोइद्दीन और अन्य परिजनों ने पूरी रात तलाश की पता नहीं चला। इसके बाद दूसरे दिन 24 अप्रैल को भी सुबह से पति की तलाश में जुट गए। रेलवे स्टेशन, बस अड्डा, हैलट और उर्सला अस्पताल के भी चक्कर लगाए लेकिन कोई जानकारी नहीं हो सकी। बताया कि 25 अप्रैल की रात में सोशल मीडिया पर पति की मृत फोटो देखी तो पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने सुजातगंज में ट्रेन की चपेट में आने की बात कही। रेलबाजार पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिलाधिकारी ने आंख अस्पताल का किया औचक निरीक्षण डॉ अनुपस्थित डीएम नाराज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने राजकीय लीलावती नेत्र चिकित्सालय का शनिवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कोई नेत्र चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह ने बताया कि चिकित्सकों की ड्यूटी पुलिस भर्ती परीक्षा में लगी है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसी स्थिति में वैकल्पिक नेत्र चिकित्सक की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि नेत्र चिकित्सक नियमित रूप से समय पर उपस्थित होकर मरीजों का इलाज करें। उन्होंने अस्पताल में नियमित साफ–सफाई की भी हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मौजूद मरीज राजकुमारी देवी, इंद्रावती, केशव विश्वकर्मा और पन्नालाल से जिलाधिकारी ने बातचीत की। उन्होंने सभी मरीजों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी के वाहन से जिला अस्पताल भिजवाकर उचित इलाज की व्यवस्था करवाई।

फेरों के दौरान दूल्हे को आए झटके, दुल्हन बोली– नहीं करनी इससे शादी

उन्नाव, संवाददाता। फेरों के दौरान दूल्हे को मिर्गी का दौरा आने के बाद दुल्हन ने शादी से इन्कार कर दिया। इस पर दोनों पक्षों में पहले विवाद हुआ फिर मान–मनौव्वल का दौर चला। बात नहीं बनी और बाद में बिना दुल्हन के ही बरात लौट गई। शीतलगंज मोहल्ला निवासी युवती की शादी परसंदन गांव के एक युवक से तय हुई थी। शुक्रवार को बरात आई। द्वारचार के बाद जयमाल की रस्म हुई। रात करीब तीन बजे फेरों से पहले दूल्हे को मंडप में बैठाया गया।

बोर्ड की बैठक से चले गए ईओ, सभासदों का हंगामा

कुशीनगर, संवाददाता। नगर पंचायत छितौनी में शुक्रवार को बोर्ड की बैठक चल रही थी। इस दौरान आय, व्यय और आउटसोर्सिंग पर रखे गए वर्करों की चर्चा चल रही थी। इसी बीच ईओ उठकर चले गए। इससे नाराज सभासद हंगामा करने लगे और बैठक से उठकर चले गए। पिछली बार 28 मार्च को हुई बैठक भी ईओ के नहीं आने के कारण सभासदों ने बहिष्कार कर दिया था। बोर्ड की बैठक में चेयरमैन अशोक निषाद और ईओ संतराम सरोज मौजूद रहे। बोर्ड की बैठक की कार्रवाई चल रही थी। इस दौरान एकता परिषद संघ के अध्यक्ष छोटेलाल शर्मा ने नगर पंचायत में तैनात आउट सोर्सिंग वर्करों की संख्या और आय–व्यय की जानकारी मांगने लगे। इस दौरान ईओ बैठक से उठकर चले गए। इस पर सभासद नाराज हो गए और सरकारी धन का बंदरबांट करने का ईओ पर आरोप लगाते हुए आउटसोर्सिंग पर रखे गए वर्करों के नाम पर सरकारी बजट का लूट खसोट करने का आरोप लगाया। सभासदों ने कहा कि जब तक पुराने कार्यों का आय–व्यय की जानकारी नहीं मिलेगी। तब तक बोर्ड की बैठक नहीं होगी। पूर्व में हुए बोर्ड बैठक में हंगामा की जांच करने बीच में खड्डा एसडीएम भी गए थे। ईओ संतराज सरोज ने बताया कि सभासदों से बात की जा रही है ।

भगवती रुक्मिणी और भगवान श्री कृष्ण के दिव्य विवाह गाथा को सुनकर झूमे श्रोता

सुजानगंज, जौनपुर

क्षेत्र के ग्राम पंचायत प्रेम का पूरा में पंडित रमेश पाण्डेय जी के निज निवास पर चल रहे श्रीमद भागवत कथा को सुन उपस्थित श्रोतागण हुए भाव विभोर। कथा व्यास परम पूज्य श्री सुनील कुमार वेदांती जी महराज ने भगवती रुक्मिणी और भगवान श्री कृष्ण के दिव्य विवाह गाथा सुनाई जिसे सुनकर श्रोता हुए भाव विभोर। वेदांती जी महराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की कहानी अनूठी है। रुक्मिणी बिना देखे ही

श्रीकृष्ण को चाहने लगी थीं। जब उनका विवाह शिशुपाल से तय हुआ तो कृष्ण रुक्मिणी का हरण करके द्वारिका ले आए। द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण और राधा की प्रेम की कहानी तो हम अक्सर सुनते आए हैं मगर कृष्ण और राधा का कभी विवाह नहीं हुआ था श्री कृष्ण का विवाह रुक्मणी से हुआ था रुक्मणी ने कृष्ण को कभी नहीं देखा था फिर वह उन्हें बहुत चाहती थी का रिश्ता चेधीराज शिशुपाल से तय हुआ तो श्री कृष्ण ने उनका हरण करके उनसे विवाह कर लिया था रुक्मणी का विवाह दिखने में बहुत ही सुंदर बुद्धिमान थी और स्वभाव की बहुत सरल कन्या थी राजा भीष्मक के दरबार में जो कोई आता था वह भगवान श्री कृष्ण के सास और बुद्धिमत्ता की तारीफ करता रुक्मणी बचपन से कई लोगों के मुख से कृष्ण की तारीफ सुनती आ रही थी इस कारण वह उन्हें चाहने लगी थी.

कुएं में मिला वृद्धि का शव

ब्यूरो सुलतानपुर,

सुल्तानपुर। कुएं में गिरने से 55वर्षीय वृद्ध की हुई मौत । मृतक की पहचान राजेंद्र प्रसाद वर्मा पुत्र रामफेर वर्मा निवासी नटौली थाना गोसाईगंज के रूप में। गुमशुदगी की रिपोर्ट गोसाईगंज कोतवाली में पहले से रही दर्ज, पुलिस कर रही थी खोजबीन। स्थानीय निवासी विजय वर्मा की सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस, डेड बॉडी निकल गई कुएं से। गोसाईगंज कोतवाल राम आशीष उपाध्याय बोले, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी अग्रिम कार्रवाई। मानसिक विक्षिप्त बताया जा रहा मृतक वृद्ध।

यात्रियों को गोसाईगंज से बस्ती,गोरखपुर,कुशीनगर तथा पडरौना होते हुए पडरौना के लिए मिलेगी शीघ्र रोडवेज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले सप्ताह से क्षेत्रवासियों को गोसाईगंज से बस्ती,संत कबीरनगर होते हुए सीएम के गृहक्षेत्र गोरखपुर के रास्ते कुशीनगर,पडरौना जाने के लिए परिवहन निगम की सीधी बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।अयोध्या डिपो के एआरएम आदित्य प्रकाश ने गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं सीताराम विराजमान मंदिर सेवा ट्रस्ट कस्बा दिलासीगंज की सदस्य आरती जयसवाल की मांग पर उक्त बस को चलाए जाने की हरी झंडी दे दी है।गौरतलब हो कि इस रूट पर निगम की कोई सीधी बस सेवा न होने से यात्रियों को धन एवम समय दोनो बर्बाद कर मानसिक पीड़ा उठाते हुए अकबरपुर या अयोध्या धाम से अपना यात्रा शुरू करना पड़ता था। अयोध्या डिपो इंचार्ज बी0 के0 मिश्रा ने बताया कि अयोध्या धाम से कुशीनगर पडरौना तक चलने वाली बस का ठहराव 4 दर्शन स्थानों पर निर्धारित किया गया है।अयोध्या से चलने वाले इस बस का ठहराव दर्शन नगर,पूरा,मया,गोसाईगंज ,महबूबगंज, ऐनवा,इल्तिफातगंज, टांडा,कलवारी,नगर बाजार,बस्ती,खलीलाबाद,मगहर, सहजनवा,गोरखपुर, जगदीशपुर,सनबरसा ,रामपुर,सुकरौली ,हाटा, कुशीनगर,धर्मपुर,पडरौना सहित दो दर्जन स्थलो पर दिया गया है।इस बस पर सवार यात्री अब एक ही दिन में श्री राम जन्म भूमि, श्रृंगीऋषि मंदिर,कबीर की समाधि,गुरु गोरखनाथ मंदिर के साथ साथ महात्मा बुद्ध के परिनिर्वाण स्थली के दर्शन बड़े आराम से कर पाएंगे। ज्ञात हो कि सभासद श्रीमती जायसवाल के प्रयास पर इसके पहले भी क्षेत्र वासियों को श्रृंगी ऋषि से प्रयागराज एवं श्रृंगीऋषि से वाराणसी(काशी)तक यात्रा करने के लिए परिवहन निगम के बस की सुविधा मिल चुकी है।

मश्नडर्न इंटर कॉलेज का इस वर्ष भी रहा शत–प्रतिशत परिणाम

अयोध्या। मॉडर्न इंटर कॉलेज,जाना बाजार ने इस वर्ष भी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में शत–प्रतिशत परिणाम देकर शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।इस उपलब्धि के अवसर पर कॉलेज के प्रांगण में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस मौके पर कॉलेज के अधिकतर छात्र ग्रामीण परिवेश से आते हैं, इसके बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और लगन से शानदार प्रदर्शन किया।हाईस्कूल परीक्षा में

हर्षित ने 91: अंक प्राप्त कर स्कूल ही नहीं बल्कि पूरे तारुन ब्लॉक में प्रथम स्थान हासिल किया।वहीं, द्वितीय स्थान पर अनुष्का वर्मा (89:) और तृतीय स्थान पर अनुष्का पटेल (88:) रहीं।इंटरमीडिएट में भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया। प्रियंका प्रजापति ने 85.5: अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।अन्नू पाठक ने 84: और तनु प्रजापति ने 83.4: अंक हासिल किए।प्रधानाचार्य गुदुन प्रसाद यादव ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत,शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। कॉलेज प्रबंधन ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।सम्मान समारोह मे प्रधानाचार्य गुदुन प्रसाद यादव के अलावा उप–प्रधानाचार्य अनूप वर्मा, प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, कौशल किशोर सिन्हा एवं अनूप कुमार ,सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

कौशलपुरी कॉलोनी फेज–2 का पार्क उपेक्षा का शिकार के चलते स्थानीय निवासियों ने नगर निगम व विकास प्राधिकरण से लगाई गुहार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कौशलपुरी कॉलोनी फेज–2 के निवासी लंबे समय से अपने क्षेत्र में स्थित पार्क की बदहाल स्थिति से जूझ रहे हैं। मकान नंबर एम.आई.जी. 17 से एम.आई.जी. 26 के सामने स्थित इस पार्क की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है।स्थानीय लोगों के मुताबिक न तो यहां सफाई की समुचित व्यवस्था है और न ही कोई सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया है। पार्क की बाउंड्रीवाल टूटी होने के कारण जानवरों का भी लगातार प्रवेश बना रहता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थान असुरक्षित हो गया है।स्थानीय नागरिकों के अनुसार, 13 मार्च 2023 को कॉलोनीवासियों ने विधायक राम चन्द्र के संज्ञान में यह मामला लाया था। नगर निगम द्वारा उस समय पार्क में कुछ मिट्टी डलवाई गई थी, लेकिन कार्य अधूरा ही रह गया। बरसात के कारण या किसी अन्य वजह से उसे पूरा नहीं किया गया।निवासियों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में कॉलोनी के अन्य पार्कों में सोलर लाइट्स लगाई गईं, परंतु इस पार्क को अब तक किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिली है। पार्क की उपेक्षा के कारण स्थानीय लोग यहां कूड़ा भी फेंकने लगे हैं, जिससे गंदगी और बदबू का माहौल बना हुआ है। वही 23 फरवरी 2025 को स्थानीय नागरिकों द्वारा नगर आयुक्त को इस समस्या से अवगत ही कराया गया ।

पहलगाम आतंकी हमला भारत की अस्मिता पर हमला- इंदु सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 27 नागरिकों के लिए जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि ा मंडल जौनपुर ने आयोजित की शोकसभा, किया गम और गुस्से का इजहार। व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु की अध्यक्षता में जिला महामंत्री आरिफ हबीब के प्रतिष्ठान पर व्यापारियों ने जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों पर हमले की निंदा की और मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति संवेदना और श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने कहा कि पाकिस्तान की घिनौनी साजिशों ने भारत की अस्मिता पर हमला किया है जिसे कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जौनपुर के सम्मानित व्यापारियों की ओर से इस हमले की जवाबी कार्रवाई करने की मांग करते हैं।

प्रांतीय मंत्री शकील अहमद एवं नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू ने शोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या पर पूरा देश गम और गुस्से में है, ऐसे में जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जौनपुर आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए सरकार के साथ है।

शोकसभा को नगर महामंत्री आलोक रंजन सिन्हा एवं युवा व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने भी संबोधित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर व्यापार मंडल के

सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूर्णीय और असामयिक क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

लोगों ने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा।

इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष उमेशचंद गुप्त, नगर कोषाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार साहू, राजेश गुप्ता, राजेश जायसवाल, अब्दुल वहाब, साजिद अनवार, भगेलू सेठ, कृपानाथ सेठ बल्ला विनय जायसवाल, ताज मोहम्मद, अमर सेठ सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

शोकसभा का संचालन जिला महामंत्री आरिफ हबीब ने किया।

इनायत नगर क्षेत्र मे जेई की तहरीर पर व्यापारी नेता सहित तीन पर मुकदमा

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बिजली विभाग के अवर अभियंता की तहरीर पर इनायत नगर पुलिस ने व्यापारी नेता अरुण गुप्त सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इन सभी पर बिजली कर्मियों के साथ मारपीट, तोड़फोड करने व सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने का आरोप है।33ध्11 केवी बिजली उपकेंद्र मिल्कीपुर के अवर अभियंता वीरेंद्र कुमार ने इनायत नगर पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि बीते 19 अप्रैल को रात 9रू20 बजे उपकेंद्र पर इनायत नगर निवासी अरुण गुप्त व उदय प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में 25 से 30 लोगों ने आकर घेराव किया। इनकी ओर से उपकेंद्र के सभी विद्युत फीडर बंद कर दिए गए।इस कारण से क्षेत्र के 32,000 उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। यह भी आरोप है कि उपकेंद्र में अंधेरे में भीड़ की ओर से उपकरणों व सरकारी सामान को नुकसान पहुंचाने की नियत से एसएसओ सुरजीत कुमार कॉलर पड़कर कंट्रोल रूम के अंदर ले गए।गाली गलौज करते हुए धमकाने के साथ सभी एलईडी लाइट बंद कर दी। भीड़ में मौजूद अरुण गुप्त, उदय प्रकाश तिवारी व शुभम ने एसएसओ जयशंकर पांडेय के साथ धक्का–मुक्की करते हुए मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी गई।सीओ मिल्कीपुर श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि इन सभी पर मारपीट, तोड़फोड करने व सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने का आरोप है।अवर अभियंता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

वक्फ सुधार जन जागरण अभियान गरीब मुस्लिम परिवारों के लिए पारदर्शिता और कल्याण का प्रयास

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जलालपुर क्षेत्र के एक रिसॉर्ट में भारतीय जनता पार्टी जिला मछली शहर द्वारा वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत एक जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के प्रावधानों को जन–जन तक पहुंचाना और इसके माध्यम से गरीब मुस्लिम परिवारों को होने वाले लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह अभियान केंद्र सरकार की उस पहल का हिस्सा है, जो वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है।सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का मुख्य उद्देश्य वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विधेयक किसी भी धार्मिक स्थल या समुदाय की आस्था को प्रभावित करने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकना और इनके लाभ को जरूरतमंद मुस्लिम परिवारों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा, ष्वक्फ संपत्तियों का सही उपयोग हो तो यह मुस्लिम समुदाय के आर्थिक और सामाजिक उत्थान का मजबूत आधार बन सकता है।देश में वक्फ बोर्ड के पास लगभग 37.94 लाख एकड़ भूमि है, जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यदि इन संपत्तियों का उचित प्रबंधन और उपयोग किया जाए, तो इससे प्रतिवर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपये की आय हो सकती है। हालांकि, वर्तमान में केवल 166 करोड़ रुपये की आय ही दर्ज की जा रही है, जो यह दर्शाता है कि इन संपत्तियों का लाभ समाज के गरीब वर्ग तक नहीं पहुंच रहा। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण, सत्यापन और लेनदेन में पारदर्शिता लाएगा, जिससे भू–माफियाओं और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा।वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता विशेष रूप से पसमांदा मुस्लिम समुदाय (पिछड़े और वंचित मुस्लिम वर्ग) के बीच जाकर यह संदेश पहुंचाए कि यह विधेयक उनके आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।वक्फ संपत्तियों की आय का उपयोग गरीब मुस्लिम परिवारों की शिक्षा, स्वास्थ्य, और आवास जैसी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा।विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडी गठबंधन वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहा है।कुछ लोग वक्फ संपत्तियों पर कब्जा जमाए बैठे हैं और वे नहीं चाहते कि यह संपत्ति गरीब मुस्लिम परिवारों के काम आए। इसलिए वे समाज को भड़काने और गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।यह विधेयक न तो किसी मस्जिद या दरगाह को प्रभावित करता है और न ही किसी समुदाय के अधिकारों को छीनता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा यह भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि सरकार मस्जिदों को तोड़ने की योजना बना रही है। इसके जवाब में सरकार ने स्पष्ट किया कि वक्फ संपत्तियों पर बनी किसी भी मस्जिद या धार्मिक स्थल को नहीं छुआ जाएगा। इसके अलावा, विधेयक में प्रावधान है कि गैर–मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों की संपत्तियों को वक्फ के नाम पर हड़पने की प्रथा को भी रोका जाएगा।

अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष भाजपा मछलीशहर डॉ अजय कुमार सिंह ने स्वागत भाषण से मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। संचालन अभियान के जिला संयोजक नृपेन्द्र सिंह ने किया एवं आभार ज्ञापन अल्पसंख्यक मोर्चा जिला संयोजक अनीश रहमानी ने किया।

इस अवसर पर सुनील सिंह ,मेहीलाल गौतम,संदीप सिंह , अरविंद सिंह,राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव,मनोज दुबे, बृजनारायण दुबे,बृजेश सिंह,विजय कुमार पटेल, श्रीप्रकाश पांडेय,राकेश शुक्ला,रणविजय सिंह,स्कन्द पटेल,फहमी रिजवी,रमेश यादव,ऊषा किरण,सोनिया गिरी,अनुपमा राय,मीना पटेल,श्यामदत्त दुबे,राजेश सोनकर,जयेश सिंह,कमलेश सिंह,महेंद्र प्रजापति,अखिल प्रताप सिंह,गुरुचरण सोनकर,शिवशंकर गुप्ता,आशीष सरोज,अजीत सोनकर एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष एवं मंडल अभियान टोली उपस्थित रही।

मॉडर्न इंटर कॉलेज जाना बाजार में टॉपर्स का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

अयोध्या।मॉडर्न इंटर कॉलेज, जाना बाजार में रविवार को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें इंटर तथा हाई स्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर्स को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व अनूप वर्मा ने किया।इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने सम्मानित होने वाले मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना किया।समारोह मे टॉपर्स को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर अनूप वर्मा जी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि परिश्रम और समर्पण ही सफलता की कुंजी हैं।उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी।उन्होंने कहा कि सफलता वही प्राप्त करता है जिसका एक कोई लक्ष्य निर्धारित होता है।वही विद्यालय के प्रधानाचार्य गुदुन प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और अध्यापकों के मार्गदर्शन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों और अभिभावकों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सपा पदाधिकारियों ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मृतको की प्रति जाते शोक

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर जिला ध्महानगर के संयुक्त संयोजन में श्रीनगर के पहलगाम मे आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष सैलानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय लोहिया भवन पर जिला महानगर के संयुक्त संयोजन में श्रीनगर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए निहत्थे सैलानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक शोक सभा आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महानगर महासचिव सांसद प्रतिनिधि हामीद जाफर मीसम ने किया।इस मौके पर पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने कहा श्रीनगर के पहलगाम में जिस तरह आतंकवादियों ने निर्दोष और निहत्थे नागरिकोंपर गोलियों से हमला कर हत्या की है।उसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है सरकार को उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।जिससे एक नजीर बने और दोबारा कोई आतंकवादी किसी निर्दोष नागरिक की जान ना ले जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा आतंकियों ने जिस तरह से निर्दोष सैलानियों पर गोलियों की बौछार की यह निंदनीय है उन्होंने कहा सैलानियों की सुरक्षा का जिम्मा सरकार पर था महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा पाकिस्तान पोषित आतंकवादियोंस ने जिस तरह निर्दोष नागरिकों पर हमला किया वह निंदनीयहै आतंक का कोई धर्म नहीं होता।इस प्रकार की घटना हमारे देश की अखंडता और मानवता पर आघात है हमें एकजुट होकर ऐसी शक्तियों का विरोध करना चाहिए जो समाज में डर और हिंसा फैलाना चाहते है महासचिव सांसद प्रतिनिधि हामीद जाफर मीसम ने कहा आतंकियों ने जिस तरह से निहत्थे सैलानियों पर कायरता पूर्ण हमला किया है इसका जवाब सरकार को उन्हीं की भाषा में देना चाहिए क्योंकि सभी विपक्षी पार्टियों ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए सरकार का

समर्थन किया हैमहानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके सभी नेताओं ने 2 मिनट मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा इस दुख की घड़ी में पूरा देश इन सभी परिवारों के साथ खड़ा है श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन, जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव सांसद प्रतिनिधि हामीद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव राम अचल यादव मोहम्मद हलीम पप्पू बलराम मौर्य,उपाध्यक्ष श्री चंद यादव, राकेश पांडे संजय सिंह, सूरज वर्मा, रियाज अहमद अधिवक्ता सभा राष्ट्रीय महासचिव शावेज जाफरी , सचिव जगन्नाथ यादव,वीरेंद्र गौतम शक्ति जायसवाल,विजय यादव गौरव पांडे, राजनाथ यादव, राम नवल पाल, तौसीफ खान सरकार, मोहम्मद शमीम महिला पूर्व मंत्री,अमृत राजपाल महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जयसवाल शिक्षक महासचिव डॉ घनश्याम यादव अधिवक्ता सभा महानगर अध्यक्ष लाल बहादुर शुक्ला अधिवक्ता सभा महिला जिला अध्यक्ष सरोज यादव प्रदेश उपाध्यक्ष छात्र सभा शिवांशु तिवारी अनुसूचित प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष विद्या भूषण, अखिलेश चौबे, पार्षद जगत नारायण यादव,विशाल पाल टिंकू अर्जुन यादव सोमू कमलेश सोलंकी, उमेश यादव राम अजोर यादव,योगेश श्रीवास्तव, रिजवान हसनैन, ललित यादव मोहम्मद सैफी अधिवक्ता सभा जिला अध्यक्ष रामकरण यादव, एडवोकेट सुनील तिवारी, राकेश कुमार,अजय यादव, इंद्र प्रताप यादव, विजय प्रताप यादव, संतराम यादव, आवेश खान विक्की यादव,गोविंद यादव, रितेश यादव भल्लू, राम प्रताप,नूर बाबू, अवनीश सिंह सुरेंद्र यादव, मुकेश यादव , ऋतुराज सिंह, करण यादव मन्नू,सुनील तिवारी, राज कपूर, सलीम सलवानी इश्तियाक खान अभय द्विवेदी प्रदीप यादव, राकेश चौरसिया, राज कपूर जितेंद्र प्रजापति सुनील तिवारीआदि लोग मौजूद रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता मे आरटीओ की बैठक सम्पन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। ई रिक्शा जो बिना पंजीयन अथवा बिना प्रपत्रों के संचालित हो रहे हैं उनके विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के संबंध में मंडल आयुक्त द्वारा जानकारी दी गई अभियान के संबंध मेंअवगत कराया गया कि 1 अप्रैल से 24 अप्रैल 2025 तक ई रिक्शा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में अयोध्या मंडल के जनपद अयोध्या में 351बंद 469 चालान जनपद अंबेडकर नगर में 125 बंद 276 चालान जनपद सुल्तानपुर में 127 बंद 220 चालान जनपद बाराबंकी में 176 बंद 248 चालान जनपद अमेठी में 70 बंद 265 चालान किया गया। इस प्रकार अयोध्या मंडल में कुल 849 ई रिक्शा बंद किए गए तथा 1478 ई रिक्शा का चालान किया गया है जिसके सापेक्ष रुपया 875 000 जुर्माना वसूल किया गया है।जनपदों में ई–रिक्शा के सुव्यवस्थित संचालन एवं उसमें यात्रा कर रहे यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत मंडल आयुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि ई–रिक्शा के फ्रंट विंड ग्लास पर अंदर की तरफ से ई–रिक्शा का पंजीयन चिह्न भी अंकित जाय, जिससे ई रिक्शा में यात्रा कर रहे यात्रियों को ई रिक्शा का पंजीयन नंबर याद करने में आसानी होगी।उक्त के अनुपालन में आज दिनांक 25 अप्रैल 2025 को संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन अयोध्या के कक्ष में ई रिक्शा के डीलरों के साथ बैठक की गई। बैठक में सभी को निर्देशित किया गया कि ई–रिक्शा के पंजीयन के समय वाहन स्वामी के पते के प्रमाण पत्र के रूप में आधार कार्ड और वोटर कार्ड के साथ–सा ई रिक्शा चलाने के लिए वैध लाइसेंस होने पर ही पंजीयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए तथा ई रिक्शा की डिलीवरी देते समय ई–रिक्शा के फ्रंट विंड ग्लास पर 3 इंच ' 5 इंच की साइज पर पंजीयन चिन्ह का प्रदर्शन अनिवार्य रूप से किया जाए।उक्त बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन श्री राजेश प्रताप सिंह के साथ–साथ ई रिक्शा के डीलर राजेश ऑटोमोबाइल्स ,साहू ऑटोमोबाइल्स, एम आर ई एंटरप्राइजेज, किरण एजेंसी , वी आर मोटर ,सिटी मैव, ओम साइ राम, एसपीजी व्हील्स, बाबा ऑटो सेल्स, चंद्र ऑटोमोबाइल्स ,श्री माता वैष्णवी के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।